स्वच्छता सर्वेक्षण -2021 के तहत शहर के कचरामुक्त स्थलों पर रांगोली निर्माण और जागरुकता कार्यक्रम निरन्तर जारी

रतलाम । वर्तमान समय में स्वच्छता हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। यह समय रतलाम शहर के लिए बदलाव का समय है, बदलाव के इस दौर में यदि हम स्वच्छता के क्षेत्र में पीछे रह गए तो आर्थिक उन्नति का कोई महत्व नहीं रह जाएगा।

साफ-सफाई केवल कर्मचारियों की ही जिम्मेदारी नहीं है, यह हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि हम अपने शहर को साफ और सुरक्षित रखें। हमें यह नजरिया बदलना होगा। पुरानी आदतों को बदलने में समय लगेगा लेकिन यह इतना मुश्किल काम भी नहीं है।

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2021 के अंतर्गत निगमायुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा लगातार शहर के सभी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत शहर में विशेष साफ-सफाई अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। इसके साथ-साथ ही कचरा मुक्त स्थानों पर आकर्षक रांगोली और दीपदान के माध्यम से सफाई मित्र समूह के माध्यम से लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

रतलाम शहर के सैकड़ों स्थानों पर खुले में कचरा डालने वालों को रोकने के लिए नगर निगम की और से अनोखा प्रयोग किया और सैकड़ों स्थान कचरा मुक्त हुए और इन पर रांगोली के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन सार्वजनिक स्थानों, बागीचों, खेल मैदानों आदि स्थानों पर भी स्वच्छता का संदेश दिया जाकर स्वच्छता की दौड़ में रतलाम को नम्बर-1 बनाने का आव्हान लोगों से किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया के निर्देश व स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने कूड़ा केवल डोर टू डोर कूड़ा लेने वाले वाहनों में ही डाले। खुले में कचरा डालने वालों पर नगर निगम द्वारा जुर्माने की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार अब शहर के सार्वजनिक स्थलों पर लोगों से शहर को साफ और सुंदर बनाए रखने की अपील की जा रही है।

स्वच्छता को लेकर नजरिया बदलना होगा

रतलाम । वर्तमान समय में स्वच्छता हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। यह समय रतलाम शहर के लिए बदलाव का समय है, बदलाव के इस दौर में यदि हम स्वच्छता के क्षेत्र में पीछे रह गए तो आर्थिक उन्नति का कोई महत्व नही रह जाएगा। साफ-सफाई केवल कर्मचारियों की ही जिम्मेदारी नही है, यह हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि हम अपने शहर को साफ और सुरक्षित रखें। हमें यह नजरिया बदलना होगा। पुरानी आदतों को बदलने मे समय लगेगा लेकिन यह इतना मुश्किल काम भी नही है। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2021 के अंतर्गत निगमायुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा लगातार शहर के सभी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत शहर में विशेष साफ-सफाई अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। इसके साथ-साथ ही कचरा मुक्त स्थानों पर आकर्षक रांगोली और दीपदान के माध्यम से सफाई मित्र समूह के माध्यम से लोगों को जागरुक किया जा रहा है। रतलाम शहर के सैकड़ों स्थानों पर खुले में कचरा डालने वालों को रोकने के लिए नगर निगम की और से अनोखा प्रयोग किया और सैकड़ों स्थान कचरा मुक्त हुए और इन पर रांगोली के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन सार्वजनिक स्थानों, बागीचों, खेल मैदानों आदि स्थानों पर भी स्वच्छता का संदेश दिया जाकर स्वच्छता की दौड़ में रतलाम को नम्बर-1 बनाने का आव्हान लोगों से किया जा रहा है।

समय जगत

संकलन-नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 11 दिनांक 10/02/2021

कैबिनेट के सामने हुआ जल-जीवन मिशन पर प्रस्तुतिकरण

प्रदेश में 2023 तक जल क्रांति : सीएम

प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मिलेगा घरेलू नल कनेक्शन

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वर्ष 2023 तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। यह प्रदेश में जल क्रांति होगी। इससे सबसे बड़ी राहत हमारी बहनों को मिलेगी। उन्हें हैंडपंप से मुक्ति मिल सकेगी। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल से स्वास्थ्य की स्थिति में भी सुधार होगा। कुल एक करोड़ 21 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार लाभांवित होंगे। इस पर 44 हजार 260 करोड़ रुपए का व्यय होगा। श्री चौहान मंगलवार को मंत्रालय में जल-जीवन मिशन के प्रस्तुतिकरण के बाद मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जल-जीवन मिशन के संचालन में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और जिस भी ग्राम की परियोजना पूर्ण होगी, वहाँ उसका प्रारंभ उत्सव के रूप में किया जायेगा। गाँव के प्रत्येक घर को नल से जल उपलब्ध कराना ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मंगलवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित किया।

थर्ड पाटी निरीक्षण से होगा गुणवत्ता पर नियंत्रण

कैबिनेट के सम्मुख हुए जल-जीवन मिशन के 'हर घर जल' पर प्रस्तुतिकरण में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को मिशन की घोषणा की गई थी। मध्यप्रदेश में जून, 2020 से मिशन का क्रियान्वयन आरंभ हुआ। मिशन के क्रियान्वयन के लिए राज्य-स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल और स्वच्छता मिशन तथा राज्य-स्तरीय योजना स्वीकृति समिति विद्यमान है। जिला-स्तरीय समिति में जिला कलेक्टर अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष हैं। ग्राम स्तर पर स्व-सहायता समूह के सहयोग से ग्रामवासियों की जन-भागीदारी और योजना के सतत संचालन और संधारण के लिए क्रियान्वयन सहायता संस्था की व्यवस्था है। नल-जल योजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी की व्यवस्था भी विद्यमान है। जल एवं स्वच्छता समिति लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से योजना का निर्माण करेगी तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला-बाल विकास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभागों के बीच सतत समन्वय से अन्य गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

योजना क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे नंबर पर

वर्ष 2020-21 तक निवाड़ी तथा बुरहानपुर जिलों में शत-प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य है। इसी प्रकार वर्ष 2021-22 में भोपाल, दतिया, इंदौर, मुरैना, नरसिंहपुर, राजगढ़ तथा उमरिया सहित कुल सात जिले पूरी तरह कवर कर लिए जाएंगे। शेष जिले वर्ष 2023 तक पूर्ण कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश के 34 हजार 305 गांवों में सतही स्त्रोत आधारित समूह योजनाओं से नल से जल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शेष 16 हजार 382 गांवों में रेट्रो फिटिंग द्वारा सुविधा का विस्तार किया जाना है। प्रदेश में 32 लाख 41 हजार परिवारों तक योजना का विस्तार किया जा चुका है। वर्ष 2020-21 में 25 लाख से अधिक एफएचटीसी के लक्ष्यों वाले राज्यों में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मलय श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया।

प्रदेश में 2023 तक जल क्रांति - मुख्यमंत्री श्री चौहान

रतलाम 9 फरवरी 2021/मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वर्ष 2023 तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। यह प्रदेश में जल क्रांति होगी। इससे सबसे बड़ी राहत हमारी बहनों को मिलेगी। उन्हें हैंडपंप से मुक्ति मिल सकेगी। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल से स्वास्थ्य की स्थिति में भी सुधार होगा। कुल एक करोड़ 21 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार लाभांवित होंगे। इस पर 44 हजार 260 करोड़ रूपए का व्यय होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में जल-जीवन मिशन के प्रस्तुतिकरण के बाद मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल-जीवन मिशन के संचालन में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और जिस भी ग्राम की परियोजना पूर्ण होगी, वहाँ उसका प्रारंभ उत्सव के रूप में किया जायेगा। गाँव के प्रत्येक घर को नल से जल उपलब्ध कराना ऐतिहासिक उपलब्धि है।

थर्ड पार्टी निरीक्षण से होगा गुणवत्ता पर नियंत्रण-मंत्रि-परिषद के सम्मुख हुए जल-जीवन मिशन के 'हर घर जल' पर प्रस्तुतिकरण में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को मिशन की घोषणा की गई थी। मध्यप्रदेश में जून, 2020 से मिशन का क्रियान्वयन आरंभ हुआ। मिशन के क्रियान्वयन के लिए राज्य-स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल और स्वच्छता मिशन तथा राज्य-स्तरीय योजना स्वीकृति समिति विद्यमान है। जिला-स्तरीय समिति में जिला कलेक्टर अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष हैं। ग्राम स्तर पर स्व-सहायता समूह के सहयोग से ग्रामवासियों की जन-भागीदारी और योजना के सतत संचालन और संधारण के लिए क्रियान्वयन सहायता संस्था की व्यवस्था है। नल-जल योजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी की व्यवस्था भी विद्यमान है। जल एवं स्वच्छता समिति लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से योजना का निर्माण करेगी तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला-बाल विकास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभागों के बीच सतत समन्वय से अन्य गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

योजना क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे नंबर पर-वर्ष 2020-21 तक निवाड़ी तथा बुरहानपुर जिलों में शत-प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य है। इसी प्रकार वर्ष 2021-22 में भोपाल, दतिया, इंदौर, मुरैना, नरसिंहपुर, राजगढ़ तथा उमरिया सहित कुल 7 जिले पूरी तरह कवर कर लिए जायेंगे। शेष जिले वर्ष 2023 तक पूर्ण कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश के 34 हजार 305 गाँवों में सतही स्रोत आधारित समूह योजनाओं से नल से जल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शेष 16 हजार 382 गाँवों में रेट्रो फिटिंग द्वारा सुविधा का विस्तार किया जाना है। प्रदेश में 32 लाख 41 हजार परिवारों तक योजना का विस्तार किया जा चुका है। वर्ष 2020-21 में 25 लाख से अधिक एफएचटीसी के लक्ष्यों वाले राज्यों में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मलय श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया।

इन्दौर

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार– राज एक्सप्रेस पृष्ठ 10 दिनांक 10/02/2021

आगामी कॉन्फ्रेंस में अब कुपोषण और जल संरक्षण की समीक्षा करेंगे सीएम

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश में कुपोषण में कितने फीसदी कमी आई और इसके लिए विभाग ने क्या रणनीति अपनाई है, इसकी समीक्षा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक मार्च को होने वाली कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस में करेंगे। इसके अलावा जल संरक्षण की भी समीक्षा करेंगे।

जानकारी के अनुसार एक मार्च को होने वाली में कान्फ्रेंस में कुपोषण से मुक्ति के अपनाई गई रणनीति के क्रियान्वयन और आंगनबाड़ियों में पोषण आहार एंव पूरक पोषण आहार के वितरण की प्रमुखता से समीक्षा होगी। विभागों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसके अलावा आठ फरवरी को हुई कान्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन, माफिया के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई, ग्रीष्म ऋतु में जल संरक्षण एंव प्रबंधन, कानून व्यवस्था की स्थिति, फ्रंट लाइन वर्कर्स को कोविड टीकाकारण कार्यक्रम पर चर्चा, गेहूं उपार्जन, मैदानी अमले की फील्ड में उपस्थिति के संबंध में प्रस्तावित योजना पर चर्चा, सरकारी जमीन पर होने वाले अतिक्रमण की पहचान के संबंध में प्रस्तुतिकरण और सीएम हेल्पलाइन को विशेष टूल के रूप में उपयोग करने के विषय में प्रस्तुतिकरण होगा।

जीपीएस से रखी जा रही है निगरानी

रतलाम. नगर को साफ-स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा कचरा संग्रहण वाहन के माध्यम से घर-घर से कचरा संग्रहण किया जा रहा है इस कार्य में ओर गति लाये जाने हेतु कचरा संग्रहण वाहनों पर जीपीएस सिस्टम से निगरानी रखी जा रही है। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि घर-घर से कचरा संग्रहण हेतु वाहन वार्डो में समय पर पंहुचे व तय रूट पर चले इस हेतु वाहनों पर जीपीएस सिस्टम लगाया गया है। सिविक सेन्टर स्थित मिटिंग हॉल में संचालित एसबीएम सेल से वाहनों पर निगरानी रखी जा रही है। वाहन वार्डो में समय पर नही पंहुचने पर संबंधित ड्रायवर व कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाएगी।

...नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर पृष्ठ 09 दिनांक 10/02/2021

नई गाइडलाइन की तैयारी • 2019-20 की गाइडलाइन में 20% कम किए थे जमीन के भाव, वर्ष 2020-21 में कोरोना के चलते नहीं बढ़ाए थे

जिन क्षेत्रों में बाजार मूल्य ज्यादा, वहां महंगी होगी जमीन

1 अप्रैल से जमीनों के भाव नए सिरे से तय करने के लिए गाइडलाइन की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार की गाइडलाइन में उन इलाकों में जमीनों के दाम बढ़ाने की तैयारी है। जिन इलाकों में गाइडलाइन से ज्यादा भाव में जमीनों के सौदे हो रहे हैं। इसमें इन इलाकों में गाइडलाइन 25% तक बढ़ना तय है। नई गाइडलाइन को लेकर जिला पंजीयक विभाग के साथ रजिस्ट्रार उन कॉलोनियों की जानकारी निकाल रहे हैं जिन इलाकों में प्रॉपर्टी के सौदे गाइडलाइन से ज्यादा दाम में हुए हैं। ऐसी कॉलोनियों का चयन कर प्रस्ताव में शामिल किया जा रहा है। इसके बाद इन इलाकों में दाम में बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इसके बाद उप मूल्यांकन समिति में इन प्रस्तावों को रखा जाएगा। यहां से जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में प्रस्ताव रखे जाएंगे। समिति की मुहर लगने के बाद इसे स्वीकृति के लिए महानिरीक्षक कार्यालय भेजा जाएगा ताकि नए वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से नई गाइडलाइन लागू हो सके।

गाइडलाइन कम होने के ये नुकसान

बाजार की तुलना में गाइडलाइन कम होने से ज्यादा नुकसान खरीदारों का है क्योंकि शहर की कॉलोनियों में प्लॉट के रेट 2000 से 4000 रुपए के बीच हैं लेकिन गाइडलाइन 500 रुपए के आसपास ही है। राष्ट्रीयकृत बैंक गाइडलाइन के हिसाब से 80 से 90% फाइनेंस करते हैं। ऐसे में लोन कम मिलता है। इससे आम आदमी का प्रॉपर्टी खरीदने का सपना तो सपना ही रह जाता है।

ऐसे में व्यक्ति को मजबूरी में प्राइवेट बैंकों या फाइनेंस कंपनियों के पास पहुंचना पड़ता है। ये बाजार मूल्य पर भी फाइनेंस कर देते हैं लेकिन यहां ब्याज दर 16 से 24% तक है। इससे लोगों को मजबूरी में ज्यादा ब्याज चुकाना पड़ रहा है।

ऐसे तैयार की जाती है गाइडलाइन

प्रस्तावित गाइडलाइन जिला पंजीयक विभाग के साथ रजिस्ट्रार तैयार करते हैं। ये सालभर में शहर में हुए जमीनों के सौदों की जानकारी जुटाते हैं कि किस इलाकों में कितने सौदे हुए और किस भाव पर हुए। इस आधार पर गाइडलाइन प्रस्तावित की जाती है। जहां जमीनों की ज्यादा डिमांड है और भाव ज्यादा हैं, वहां के दाम ज्यादा बढ़ाए जाते हैं।

दो साल पहले कम की थी गाइडलाइन

दो साल पहले यानी वर्ष 2019-20 की बात करें तो गाइडलाइन की दर 20 फीसदी कम थी। इससे प्लॉट और मकान खरीदना सस्ता हो गया था। वहीं पिछले साल यानी 2020-21 में कोरोना के चलते गाइडलाइन नहीं बढ़ी थी। ऐसे में 2021-22 की गाइडलाइन में दाम बढ़ना तय है।

जानकार ये बोले

2% निगम ड्यूटी जनवरी में बढ़ी थी अब गाइडलाइन नहीं बढ़ना चाहिए

एक जनवरी से स्टाम्प ड्यूटी 10.50% से बढ़कर 12.50% हो गई है। इससे हजार स्क्वेयर फीट की रजिस्ट्री पर 20 हजार रुपए ज्यादा लग रहे हैं। यदि गाइडलाइन बढ़ी तो लोग प्रॉपर्टी से दूर हो जाएंगे। इसलिए रेट नहीं बढ़ाना चाहिए।
-निर्मल गांधी, [illegible]

अभी प्रारंभिक तैयारी चल रही है

गाइडलाइन में लागू होने में डेढ़ महीने का समय है। इसको लेकर प्रारंभिक तैयारी चल रही है जिसकी जानकारी जुटा रहे हैं। गाइडलाइन को लेकर कुछ नहीं कहा सकते हैं।
-प्रभात वाजपेयी, जिला पंजीयक

सकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राजएक्सप्रेस पृष्ठ 06 दिनांक 10/02/2021

नगर पालिकाओं, पंचायतों की मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 15 फरवरी तक लिए जाएंगे

निर्वाचन के संदर्भ में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

रतलाम। आगामी नगर पालिका एवं पंचायतों के निर्वाचन के संदर्भ में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि प्रारूप मतदाता सूची पर दावे,आपत्ति 15 फरवरी तक लिए जा रहे हैं। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपालचंद्र डाड, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर श्रीमती जमुना भिडे, एसडीएम राहुल धोटे, अभिषेक गहलोत, श्रीमती कामिनी ठाकुर, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि दिनेश शर्मा,अभय जैन, पीयूष बाफना, समरथ चौहान, एम.एल.नगावत तथा जिले के तहसीलदार उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित दावा आपत्ति केंद्रों पर प्राप्त करना आरंभ कर दिए गए हैं, जो आगामी 15 फरवरी की दोपहर 3 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे।

आयोग द्वारा दावा आपत्ति के संबंध में निर्धारित आवेदन पत्रों के प्रारूप में परिवर्तन कर नए प्रारूप ईआर-1 परिवर्धन हेतु, ईआर-2 विलोपन हेतु तथा ईआर-3 संशोधन के लिए जारी किए गए हैं। यह सभी आवेदन पत्र प्राधिकृत कर्मचारी के पास उपलब्ध रहेंगे।

कलेक्टर ने बताया की दावा आपत्ति लेने के लिए बूथ लेवल अधिकारी अपने निर्धारित बूथ पर प्रातः 10.30 से शाम 5.30 बजे तक प्राप्त करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि जो भी बीएलओ अपनी ड्यूटी में कोताही बरतेंगे उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

27 फरवरी को वेबसाइट पर अपलोड हो जाएगी फोटो रहित मतदाता सूची

रतलाम | आगामी नगर पालिका एवं पंचायतों के निर्वाचन को लेकर सोमवार शाम जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में हुई।

निराकरण के बाद 27 फरवरी को वेबसाइट पर फोटो रहित मतदाता सूची अपलोड होगी। 23 फरवरी को निराकृत दावा आपत्ति आवेदन पत्रों की ईआरएमएस में प्रविष्टि होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी गोपालचंद्र डाड, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर जमुना भिड़े आदि अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने बताया कि दावा आपत्ति लेने के लिए बूथ लेवल के अधिकारी सुबह 10.30 से शाम 5.30 बजे तक मौजूद रहेंगे। इनमें से जो बीएलओ ड्यूटी में कोताही बरतेंगे उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को रात्रि में भी पकड़ा जाएगा

प्रसारण न्यूज • रतलाम

नगर को साफ–स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़को, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को दिन में पकड़े जाने के साथ ही निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा अब रात्री में भी मवेशियों को पकड़ा जायेगा क्योंकि मवेशी पालको द्वारा दिन में मवेशियों को बांधकर रखा जाता है तथा रात्रि मे खुला छोड़ दिया जाता है जिससे शहर में गंदगी होती है।

कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अमले द्वारा 13 अक्टूबर से अभियान चलाया गया तथा 08 फरवरी तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 643 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं मे भेजा गया। अभियान के तहत 08 फरवरी को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलकापुरी, ग्लोबस कालोनी, नयागांव, राम मंदिर से 6 मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़े गये। शहर के सार्वजनिक स्थानों, सड़को चौराहो को मवेशी मुक्त बनाये जाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर के मवेशी पालकों के बाड़े एवं तबेलो को अभियान चलाकर तोड़ा जायेगा इस हेतु निगम द्वारा नगर के सभी मवेशी पालकों को नोटिस जारी किया गया है। शहरी क्षेत्र में मवेशियों का पालन करना नियम विपरित है, ऐसे मवेशी पालक जो कि शहरी क्षेत्र में अनुमति के विपरित तबेले एवं बाड़ो का निर्माण कर मवेशियों का पालन किया जा रहा है वे स्वंय अपने तबेले एवं बाड़े नहीं तोड़ते है तो निगम द्वारा उन्हे तोड़ा जाकर राशि वसूल की जायेगी। नगर निगम एक्ट की धारा 358 के तहत कोई भी व्यक्ति जो कि अपना घोड़ा या अन्य किसी भी पशु को अपनी इच्छा से खुला छोड़ेगा व उससे किसी व्यक्ति या संपति को नुकसान पंहुचता है तो पालक पर 500 रूपये का अर्थदण्ड किये जाने का प्रावधान है। निगम एक्ट के तहत अब स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशी पालकों के घर जाकर निगम दस्ता अर्थदण्ड राशि रूपये 500/– वसूल करेगा स्वच्छंद रूप से विचरण करने वाले मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह, झोन प्रभारी किरण चौहान, पर्वत हाड़े व स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा की गई।

प्रसारण

110 दिनों में ठीक किए 142 वॉल्व व 727 पाइप लीकेज

रतलाम। शहर की जलप्रदाय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पाइप लाइन व वॉल्व लीकेज ठीक करने का कार्य जलप्रदाय विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसके तहत 65 दिनों में 103 वॉल्व व 466 पाइप लाइन लीकेजों को ठीक किया जा चुका है। रतलाम जलशक्ति अभियान वाट्सएप ग्रुप में लीकेज की समस्या को अपलोड कर तत्काल निराकरण करवाया जा रहा है। मंगलवार को अलकापुरी बी-68 के सामने, मुखर्जी नगर, हरमाला रोड ताज स्टोन के पास, गांधी नगर, सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के पास, पुरोहितजी का वास, समता परिसर, बोहरा बाखल व मिशन कम्पाउंड में पाइप लाइन लीकेज के साथ कस्तूरबा नगर टंकी का एयर वॉल्व ठीक किया गया। उक्त कार्यवाही कार्यपालन यंत्री सुरेशचंद्र व्यास, जलप्रदाय विभाग प्रभारी सत्यप्रकाश आचार्य, उपयंत्री सुहास पंडित, भैयालाल चौधरी के अलावा नीरज यादव, मोहन आदि के निर्देशन में की गई।

चेतना

649 मवेशियों को पकड़कर गोशालाओं में भेजा

रतलाम। नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को पकड़कर गोशालाओं में भेजा जा रहा है। इसके तहत अब तक 649 मवेशियों को पकड़कर जिले की गौशालाओं में भेजा जा चुका है। मंगलवार को हनुमान ताल, अलकापुरी, रत्नपुरी, मुखर्जी नगर व कस्तूरबा नगर से छह मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़े गए।

दरोगा व सफाई कर्मचारी का एक दिन का वेतन काटा

रतलाम। धनजी भाई के नोहरे में सफाई उपरांत कचरा नहीं उठाने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार दरोगा दिनेश–मोतीलाल व सफाई संरक्षक रानीबाई–विनोद का एक दिवस का वेतन काटा जाकर में कारण बताओ सूचना–पत्र जारी किया गया। दोनों से तीन दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया है।

भास्कर 10/2

निकाय चुनाव से पहले निगम, मंडलों में सरकार करेगी नियुक्तियां

भोपाल, (प्रसं)। नगरीय निकाय चुनाव से ठीक पहले सरकार निगम मंडलों में नियुक्तियां करने की तैयारी कर रही है। इसके पीछे का कारण निकाय चुनाव में टिकट के बाद पैदा होने वाले असंतोष को दबाना है। कुछ दमदार नेताओं को निगम और मंडलों में नियुक्त करने के बाद निकाय चुनाव में उनकी दावेदारी समाप्त हो जाएगी जिससे भाजपा को उम्मीदवार चयन में ज्यादा परेशानी नहीं होगी।

कई नेताओं को संतुष्ट करने संगठन भी कर रहा तैयारी

22 मार्च 2020 के बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के कुछ दिन बाद से निगम-मंडलों में नियुक्तियों की चर्चा शुरू हो गई थी, लेकिन सरकार और संगठन ने उपचुनाव का हवाले देते इस मामले को टाल दिया था। नवंबर 2020 में उपचुनाव में भाजपा ने विजय प्राप्त कर सरकार को स्थिर कर दिया। उसके बाद भी सरकार ने निगम-मंडलों में नियुक्तियां नहीं की गईं। बीजेपी विधायकों और नेताओं ने सरकार और संगठन के समक्ष कई बार अपनी बात रखी, लेकिन हर बार नियुक्तियों को कुछ न कुछ कारण बताकर टाल दी गई। अब जबकि निकाय चुनाव में बीजेपी को अपना प्रदर्शन बेहतर रखना है, इसलिए निकाय चुनाव से पहले यह नियुक्तियां की जा सकती है।

निगम महापौर टिकट दावेदारों की भी होगी नियुक्तियां

प्रदेश की नगर निगम महापौर के कई दावेदार होने से बीजेपी के आला नेताओं की परेशानी लगातार बढ़ रही है। संगठन निकाय चुनाव से पहले किसी भी बड़े नेता को नाराज नहीं करना चाहता है, इसलिए कई नेताओं को निगम और मंडल में पद दिया जा सकता है। इसी तरह कई विधायकों को भी पद देने की तैयारी है। संगठन में इसकी तैयारी शुरू हो गई है। आगामी दिनों में ऐसे नेताओं की सूची तैयार हो जाएगी जिन्हें निगम मंडलों में पद देना है, हालांकि सूची में कई नाम शामिल होंगे। इसमें से सरकार, संगठन और बड़े नेताओं के पसंद से नियुक्तियां दी जाएंगी।

सिंधिया खेमे के विधायकों को इंतजार

उपचुनाव के बाद सिंधिया खेमे के विधायकों को मंत्री बनने की आस थी, लेकिन सिर्फ दो विधायक तुलसीराम सिलावट और गोविंद सिंह राजपूत को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। अन्य विधायकों के हिस्से में इंतजार आया। चार माह से आस लगाए विधायकों को अब निगम मंडल में पद देकर संतुष्ट किया जाएगा। इस क्रम में विधानसभा हारने वाली इमरती देवी भी शामिल हैं।

कांग्रेस सरकार ने निरस्त की थी निगम मंडल नियुक्तियां

दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस सरकार बनी थी, सरकार बनते ही खर्च को कम करने के लिए निगम-मंडलों की नियुक्तियां निरस्त कर दी गई थी। जबकि कांग्रेस की सरकार रही तब तक निगम मंडल में पॉलीटिकल नियुक्तियों के रास्ते बंद रहे।

संकलन-नगर निगम, रतलाम अखबार-पत्रिका---पृष्ठ 12 दिनांक 10/02/2021

निजी एजेंसियां को सौंपी सर्वे की जिम्मेदारी : अभी कई सड़कों की हालत दयनीय

फोरलेन होंगी प्रदेश की 12 से ज्यादा सड़कें, सफर करने पर चुकाने होंगे पैसे

इन सड़कों का होना है चौड़ीकरण- हरदा-खंडवा, रायसेन-गैरतगंज-राहतगढ़, होशंगाबाद-पिपरिया, रतलाम-झाबुआ, हरदा से टिमरनी, रीवा-ब्यौहारी, ब्यौहारी-शहडोल, शाहपुरा-नरसिंहपुर, सिवनी-बालाघाट, घोंसला-माहिदपुर, मलहरा-लौंड़ी, चंदला-आजमगढ़, चंदला-महोबा, होशंगाबाद-हरदा-खंडवा।

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश की 12 से ज्यादा सड़कों को फोरलेन करने की तैयारी है। फिजिबिलिटी सर्वे का काम निजी एजेंसियों को दिया गया है। एजेंसियां 6 माह के अंदर रिपोर्ट मप्र रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सौंपेंगी। इसके आधार पर सड़कों को टू-लेन से लेकर फोरलेन किया जाएगा। सर्वे में देखा जा रहा है कि इन सड़कों पर वाहनों का कितना दबाव है। कितने बड़े वाहन गुजरते हैं। सरकार निर्माण बीओटी के तहत करेगी। ऐसे में टोल टैक्स वसूला जाएगा।

सरकार निर्माण और रखरखाव के लिए सड़कों को बनाने 20 से 25 साल के लिए निजी एजेंसियों को देगी। भोपाल-इंदौर सहित प्रदेश के 25 से 30 सड़कों में टोल से राशि वसूली जा रही है। हालांकि इन सड़कों का निर्माण पहले भी निजी एजेंसियों के जरिए किया गया था, वो इसकी वसूली टोल से कर रही थीं, लेकिन डेढ़ से दो साल पहले उनका अनुबंध समाप्त हो गया था। अब सरकार इन सड़कों का चौड़ीकरण करने की तैयारी कर रही है। निर्माण में दो से तीन साल लगेंगे।

ऐसा होगा सड़कों का नेटवर्क

शाहपुरा-भिटौनी से नरसिंहपुर सड़क फोरलेन में तब्दील होनी है। शाहपुरा-भिटौनी का अधिकांश हिस्सा जबलपुर जिले में है। यह मार्ग गोटेगांव होते हुए नरसिंहपुर जिले में दादा महाराज के पास से गुजरने वाले फोरलेन से जोड़ा जाएगा। गोटेगांव का करीब 35 किलोमीटर और जबलपुर जिले का शाहपुरा से लेकर गोटेगांव तक का करीब 20 किलोमीटर का क्षेत्र फोरलेन में परिवर्तित किया जाएगा। वर्तमान में गोटेगांव से नरसिंहपुर तक एक लेन है। इसी को फोरलेन में परिवर्तित करने की योजना है, जो दादा महाराज के पास तक बनाई जाएगी। इसके बाद दादा महाराज के पास फोरलेन सिवनी से लेकर सागर वाले फोरलेन में जोड़ा जाएगा।

ग्राउंड रिपोर्ट

दोनों छोर से समझिए स्थिति

रतलाम झाबुआ मार्ग

झाबुआ @ पत्रिका. रतलाम-झाबुआ मार्ग पर पुलिया का एक हिस्सा टूटा है। मिट्टी धसक गई है। रात के अंधेरे में गड्ढे नजर नहीं आते। अचानक नजर आने पर पता चलता है कि गड्ढे हैं। इससे हादसे की आशंका रहती है। यह मार्ग गुजरात को जोड़ता है। रतलाम होते हुए राजस्थान भी पहुंचा जा सकता है। वीआइपी लोग भी गुजरते हैं, फिर भी मैंटेनेंस नहीं हो रहा।

रतलाम @ पत्रिका. जिले की सीमा में लगभग 27 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की हालत ऐसी है कि यह सिंगल रोड जैसा रह गया है। पूरा रास्ता सैकड़ों जगह से जर्जर है। निर्माण के बाद सिर्फ एक बार मेंटेनेंस हुआ है। इस सड़क को एमपीआरडीसी ने करीब 6 साल पहले बनाया था और उसके बाद तीन साल पहले छोटी-मोटी मरम्मत की गई थी।

संकलन--नगर निगम, रतलाम अखबार स्वतंत्र ऐलान पृष्ठ 08 दिनांक 10/02/2021

नगर पालिकाओं, पंचायतों की मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 15 फरवरी तक लिए जाएंगे

निर्वाचन के संदर्भ में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

रतलाम। आगामी नगर पालिका एवं पंचायतों के निर्वाचन के संदर्भ में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 15 फरवरी तक लिए जा रहे हैं। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री गोपालचंद डाड, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव तिवारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, एसडीएम श्री राहुल धोटे, श्री अभिषेक गहलोत, श्रीमती कामिनी ठाकुर, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि श्री दिनेश शर्मा, श्री अभय जैन, श्री पीयूष बाफना, श्री समरथ चौहान, श्री एम.एल.नगावत तथा जिले के तहसीलदार उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री गोपालचंद्र डाड ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित दावा आपत्ति केंद्रों पर प्राप्त करना आरंभ कर दिए गए हैं, जो आगामी 15 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। आयोग द्वारा दावा आपत्ति के संबंध में निर्धारित आवेदन पत्रों के प्रारूप में परिवर्तन कर नए प्रारूप ईआर-1 परिवर्धन हेतु, ईआर-2 विलोपन हेतु तथा ईआर-3 संशोधन के लिए जारी किए गए हैं। यह सभी आवेदन पत्र प्राधिकृत कर्मचारी के पास उपलब्ध रहेंगे। कलेक्टर ने बताया की दावा आपत्ति लेने के लिए बूथ लेवल अधिकारी अपने निर्धारित बूथ पर प्रातः 10:30 से शाम 5:30 बजे तक प्राप्त करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि जो भी बीएलओ अपनी ड्यूटी में कोताही बरतेंगे उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया कि परिवर्तन दावा केवल मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने के लिए किया जा सकता है। यदि कोई मतदाता अपने नाम सूची के एक वार्ड से दूसरे वार्ड में अंतरित करना चाहता है तो उसके द्वारा भी इस प्रारूप में दावा आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इसी प्रकार विलोपन आपत्ति की जानकारी में बताया गया कि ऐसी आपत्ति केवल ऐसा ही व्यक्ति कर सकता है जिसका नाम संबंधित नगर पालिका या पंचायत की मतदाता सूची में पहले से ही सम्मिलित है, अर्थात जो संबंधित नगर पालिका या पंचायत का मतदाता है संशोधन आपत्ती के तहत यह आपत्ति मतदाता सूची में सम्मिलित किसी प्रविष्टि के ब्यौरे जैसे मकान नंबर, नाम, पिता, पति का नाम, आयु के संबंध में अशुद्धि या त्रुटि पर आपत्ति हो सकती है। ऐसी आपत्ति केवल वही व्यक्ति कर सकता है जिससे संबंधित प्रविष्टि है। इसके लिए किसी अन्य मतदाता के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। रतलाम

जिले के सभी नगरीय निकाय आगामी 5 वर्षों का रोडमेप बनाएं

रतला। जिले के सभी नगरीय निकाय आगामी 5 वर्षों का रोडमेप बनाएंगे इस संबंध में कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने एक बैठक लेकर निर्देश दिए। आयोजित बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि नगर पालिका अधिकारी 1 सप्ताह में अपना रोडमेप संबंधित जनप्रतिनिधि से चर्चा करके तैयार करें, इसके बाद कलेक्टर द्वारा भी अवलोकन किया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री डाड ने एनयूएलएम योजना के तहत स्वरोजगार कार्यक्रम, स्व सहायता समूह के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गठित समूहों की स्थिति, आवर्ती निधि, बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज, पीएम स्वनिधि, स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारी, निकायों के बैंक खातों का युक्तियुक्त करण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बीएलसी आवासों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत 300 दिवस तथा 100 दिवस की लंबित शिकायतों के निराकरण सहित राज्य स्तरीय ग्रेडिंग में निकायों को सुधार लाने के लिए भी निर्देशित किया गया। सीएमओ बड़ौदा तथा नामली की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की गई साथ ही कलेक्टर द्वारा सभी निकायों को आगामी ग्रेडिंग में 'ए' ग्रेड प्राप्त करने के लिए मेहनत करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी विकास निशिकांत शुक्ला, सीएमओ जावरा श्रीमती नीता जैन, सीएमओ सैलाना जेपी गुप्ता, सीएमओ आलोट सुश्री संध्या सरयाम, सीएमओ पिपलोदा श्रीमती आरती गरवाल, सीएमओ बड़ौदा श्री धर्मचंद जैन, सीएमओ ताल श्री अशोक शर्मा, एपीओ श्री अरुण पाठक उपस्थित थे। इन्दौर

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नवभारत–पृष्ठ 07 दिनांक 10/02/2021

सभी निकाय 7 दिवस में 5 वर्षों का रोडपेम तैयार करें

रतलाम। जिले के सभी नगरीय निकाय आगामी 5 वर्षों का रोडमेप बनाएंगे, इस संबंध में कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने एक बैठक लेकर निर्देश दिए। आयोजित बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि नगर पालिका अधिकारी 1 सप्ताह में अपना रोडमेप संबंधित जनप्रतिनिधि से चर्चा करके तैयार करें, इसके बाद कलेक्टर अवलोकन करेंगे। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री डाड ने एनयूएलएम योजना के तहत स्वरोजगार कार्यक्रम, स्व सहायता समूह के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गठित समूहों की स्थिति, आवर्ती निधि, बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज, पीएम स्वानिधि, स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारी, निकायों के बैंक खातों का युक्तियुक्त करण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना

अंतर्गत बीएलसी आवासों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत 300 दिवस तथा 100 दिवस की लंबित शिकायतों के निराकरण सहित राज्य स्तरीय ग्रेडिंग में निकायों को सुधार लाने के लिए भी निर्देशित किया गया। सीएमओ बड़ौदा तथा नामली की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की गई साथ ही कलेक्टर द्वारा सभी निकायों को आगामी ग्रेडिंग में 'ए' ग्रेड प्राप्त करने के लिए मेहनत करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी विकास निशिकांत शुक्ला, सीएमओ जावरा नीता जैन, सीएमओ सैलाना जेपी गुहा, सीएमओ आलोट संध्या सरयाम, सीएमओ पिपलोदा आरती गरवाल, सीएमओ बड़ौदा धर्मचंद जैन, सीएमओ ताल अशोक शर्मा, एपीओ अरुण पाठक उपस्थित थे।

नगरीय निकाय आगामी पांच वर्षों का रोडमैप बनाएंगे

रतलाम. जिले के सभी नगरीय निकाय आगामी 5 वर्षों का रोडमेप बनाएंगे, इस संबंध में कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने मंगलवार को एक बैठक लेकर निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि नगर पालिका अधिकारी एक सप्ताह में अपना रोडमेप संबंधित जनप्रतिनिधि से चर्चा करके तैयार करें, इसके बाद कलेक्टर द्वारा भी अवलोकन किया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर डाड ने एनयूएलएल योजना के तहत स्वरोजगार कार्यक्र म, स्व सहायता समूह के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गठित समूहों की स्थिति, आवर्ती निधि, बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज, पीएम स्वानिधि, स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारी, निकायों के बैंक खातों का युक्तियुक्त करण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बीएलसी आवासों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी विकास निशिकांत शुक्ला, सीएमओ जावरा नीता जैन, सीएमओ सैलाना जेपी गुहा, सीएमओ आलोट संध्या सरयाम, सीएमओ पिपलोदा आरती गरवाल उपस्थित थे।

जिले के सभी नगरीय निकाय आगामी पांच वर्षों का रोडमैप बनाएं

रतलाम। जिले के सभी नगरीय निकाय आगामी पांच वर्षों का रोडमेप बनाएंगे। कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने मंगलवार को बैठक में सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि एक सप्ताह में रोडमैप संबंधित जनप्रतिनिधि से चर्चा करके तैयार करें।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने एनयूएलएल योजना के तहत स्वरोजगार कार्यक्रम, स्व सहायता समूह के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गठित समूहों की स्थिति, आवर्ती निधि, बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज, पीएम स्वनिधि, स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारी, निकायों के बैंक खातों का युक्तियुक्तकरण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बीएलसी आवासों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत 300 तथा 100 दिवस की लंबित शिकायतों के निराकरण सहित राज्य स्तरीय ग्रेडिंग में निकायों को सुधार लाने के लिए भी निर्देशित किया गया।

सीएमओ बड़ावदा तथा नामली की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। साथ ही कलेक्टर द्वारा सभी निकायों को आगामी ग्रेडिंग में ए ग्रेड प्राप्त करने के लिए मेहनत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी विकास निशिकांत शुक्ला, सीएमओ जावरा नीता जैन, सीएमओ सैलाना जेपी गुहा, सीएमओ आलोट संध्या सरयाम, सीएमओ पिपलौदा आरती गरवाल, सीएमओ बड़ावदा धर्मचंद जैन, सीएमओ ताल अशोक शर्मा, एपीओ अरुण पाठक उपस्थित थे।

सभी नगरीय निकायों का पांच साल के विकास कार्यों का रोडमैप बनेगा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

नगर निगम रतलाम की तरह अब जिले के सभी नगरीय निकायों का पांच साल में किए जाने वाले विकास कार्यों का रोडमैप बनेगा। कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने इस संबंध में सभी निकायों के अधिकारियों को निर्देश देकर एक सप्ताह में जनप्रतिनिधि से चर्चा कर रोडमैप तैयार करने को कहा है।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर ने एनयूएलएल, स्वरोजगार कार्यक्रम, स्व सहायता समूह के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गठित समूहों की स्थिति, आवर्ती निधि, बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज, पीएम स्वानिधि, स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी, निकायों के बैंक खातों का युक्तियुक्त करण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बीएलसी आवासों की प्रगति की समीक्षा की। परियोजना अधिकारी शहरी विकास निशिकांत शुक्ला, सीएमओ जावरा नीता जैन, सीएमओ सैलाना जेपी गुहा, सीएमओ आलोट संध्या सरयाम, सीएमओ पिपलौदा आरती गरवाल, सीएमओ बड़ौदा धर्मचंद जैन, सीएमओ ताल अशोक शर्मा, एपीओ अरुण पाठक उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विधायक चेतन्य काश्यप का अभिनंदन

रतलाम को नगर से महानगर बनाने की दिशा में किए विकास कार्यों से उत्साहित

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

भाजपा की मंडल इकाइयों एवं वार्ड कार्यकर्ताओं ने रतलाम में म.प्र. का दूसरा सबसे बड़ा 1800 हेक्टेयर क्षेत्र में 1800 करोड़ की लागत का निवेश क्षेत्र स्वीकृत कराने एवं अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण हेतु 1 करोड रुपए समर्पित करने पर विधायक चेतन्य काश्यप का अभिनंदन किया। अभिनंदन समारोह महामण्डलेश्वर श्री चिदम्बरानन्द सरस्वतीजी महाराज के सानिध्य में हुआ। इसमें विधायक श्री काश्यप ने रतलाम के विकास में कोई कसर नहीं छोडने का संकल्प व्यक्त किया। अभिनंदन समारोह में भाजपा मण्डल अध्यक्ष निलेश गांधी, मयूर पुरोहित, करणभीर्य खड़गोत्या, कृष्ण कुमार सोनी एवं आदित्य डागा ने श्री काश्यप को साफा पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्हें इस मौके पर अभिनंदन पत्र भी भेंट किया। समारोह में सभी मंडलों के पदाधिकारियों एवं वार्ड कार्यकर्ताओं ने अनुशासन पूर्वक श्री काश्यप के प्रयासों से हो रहे रतलाम के विकास का सम्मान किया। इससे पूर्व पांचों मंडल अध्यक्ष ने समारोह को संबोधित कर विधायक श्री काश्यप द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। समारोह के आरंभ में कार्यकर्ताओं के समक्ष आगामी पांच सालों में होने वाले विकास कार्यों का प्रजेंटेशन भी प्रस्तुत हुआ।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल मौर्य, बजरंग पुरोहित, जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्यक्ष, पूर्व महापौर शैलेन्द्र डागा, पूर्व निगम अध्यक्ष अशोक पोरवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयवंत कोठारी, संतोष पोरवाल, दिनेश शर्मा, बद्रीलाल परिहार, जिला मीडिया प्रभारी अरूण राव, झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ की सह संयोजक अनिता कटारिया, आई.टी. प्रकोष्ठ के सह

संयोजक सोमेश पालीवाल, समाजसेवी मोहनलाल भट्ट सहित पार्टी व मोर्चा, प्रकोष्ठ, पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे। अभिनंदन समारोह का संचालन जिला कार्यालय मंत्री मनोज शर्मा ने किया।

रतलाम को मालवा का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक केंद्र बनाएंगे-काश्यप: अभिनंदन समारोह में विधायक चेतन्य काश्यप ने कहा कि रतलाम की जनता ने दो बार विधायक चुनकर उन्हें जो दायित्व सौंपा था उसकी पूर्ति में वे कभी पीछे नहीं रहेंगे। यह सम्मान उनका नहीं उस दायित्व का ही सम्मान है वे तो सिर्फ एक निमित्त मात्र है। श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का दौरा इस बार हर मायने में अलग रहा है। नगर निगम आगामी पांच वर्षों में शहर को क्या देगा इसका प्रजेंटेशन उन्होंने देखा और शासन की तरफ से होने वाले कार्यों को आगे बढ़ाया। रतलाम में 1800 हेक्टेयर क्षेत्र में 1800 करोड की लागत से जो नया निवेश क्षेत्र बनेगा वह रतलाम की वर्तमान भौगोलिक आकार से दुगना होगा। केंद्र सरकार द्वारा देश में 7 बड़े निवेश क्षेत्र बनाने की घोषणा की गई है। जहां 1-1 हजार करोड रुपए का अनुदान दिया जाएगा। म.प्र. सरकार ने रतलाम को इस कार्य के लिए चुन लिया है। श्री काश्यप ने शहर में सडकों के नव निर्माण, मेडीकल कॉलेज के साथ सुपर स्पेश्यलिटी हास्पिटल के निर्माण, गरीबों के आवास, झुग्गी मुक्त रतलाम के प्रयास और व्यापार वृद्धि की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक विकसित और युवाओं के भविष्य का रतलाम बनाने के लिए वे संकल्पित है। रतलाम को मालवा का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक केंद्र बनाएंगे, जिससे उसे पुराना वैभव पुन:प्राप्त होगा।

विधायक के प्रति जनता का ऐसा लगाव कहीं नहीं देखा: चिदम्बरानंदजी

अभिनंदन समारोह में महामण्डलेश्वर स्वामी श्री चिदम्बरानंद सरस्वतीजी म.सा. ने आशीर्वचन में कहा कि वे कई वर्षों से रतलाम में आ रहे हैं और देश भर में कई स्थानों पर जाते हैं, लेकिन विधायक के प्रति जनता का ऐसा लगाव कहीं नहीं देखा। शहर विधायक चेतन्य काश्यप को जनता ने जो दायित्व सौंपा है। उसका वे बखूबी निर्वाह कर रहे हैं। इतने कम समय में रतलाम को बदलने की जो कोशिश उन्होंने कि है वह किसी विधायक ने नहीं की होगी। स्वामीजी ने कहा कि कर्म के प्रति निष्ठा और दायित्व निर्वाह करते हुए देश में उन्हें दो ही व्यक्तित्व नजर आए जिनमें पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है जिन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को बदल दिया है, दूसरे व्यक्ति रतलाम विधायक श्री काश्यप है जिन्होंने शहर की तस्वीर बदल दी है। विकास के साथ आस्था की भी श्री काश्यप में गहरी पैठ है। श्री राम मंदिर निर्माण के लिए 1 करोड रुपए का समर्पण इसका प्रमाण है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–इन्दौर समाचार पृष्ठ 03 दिनांक 10/02/2021

मवेशियों को रात्रि में भी पकड़ा जायेगा

रतलाम। नगर को साफ-स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को दिन में पकड़े जाने के साथ ही निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा अब रात्री में भी मवेशियों को पकड़ा जायेगा क्योंकि मवेशी पालको द्वारा दिन में मवेशियों को बांधकर रखा जाता है तथा रात्रि में खुला छोड़ दिया जाता है जिससे शहर में गंदगी होती है। कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अमले द्वारा 13 अक्टूबर से अभियान चलाया गया तथा 08 फरवरी तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 643 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं में भेजा गया। अभियान के तहत 08 फरवरी को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलकापुरी, ग्लोबस कालोनी, नयागांव, राम मंदिर से 6 मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़े गये। शहर के सार्वजनिक स्थानों, सड़को चौराहो को मवेशी मुक्त बनाये जाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर के मवेशी पालकों के बाड़े एवं तबेलो को अभियान चलाकर तोड़ा जायेगा इस हेतु निगम द्वारा नगर के सभी मवेशी पालकों को नोटिस जारी किया गया है। शहरी क्षेत्र में मवेशियों का पालन करना नियम विपरित है।

इन्दौर

सफाई को जीवन का हिस्सा बनाया तो कम हुआ मलेरिया

स्वास्थ्य ● कोरोना संक्रमण की चुनौतियों के बीच अच्छी आदत अपनाने से बीमारी पर पाया नियंत्रण

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में कोरोनाकाल में जहां लोगों को कई तरह की परेशानी हुई, वहीं कुछ अच्छा असर भी सामने आया है। कोविड की चुनौतियों के बीच लोगों ने अपनी आदतों को बदला और साफ-सफाई को जिंदगी का अहम हिस्सा बनाया। जिला प्रशासन की देखरेख में नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग ने मिलकर स्वच्छता अभियान चलाए। लॉकडाउन में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता की गतिविधियां चली। इसके चलते जिले में इस साल दो महीने में मलेरिया का एक भी मरीज नहीं मिला। अगर ऐसे ही साफ-सफाई से लोग जुड़े रहे तो अन्य बीमारियों के साथ जल्द ही मलेरिया से भी जिला मुक्त हो जाएगा।

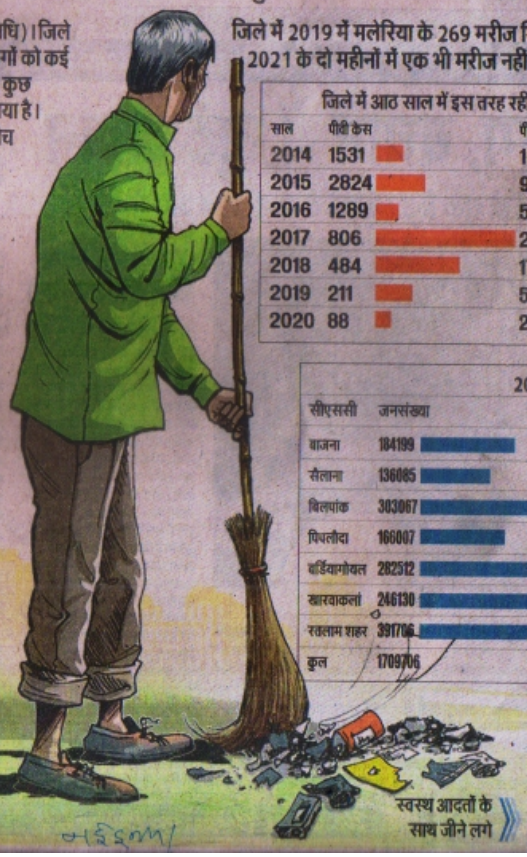

जिले में 2019 में मलेरिया के 269 मरीज मिले थे। साल 2020 में 180 केस सामने आए थे, जबकि साल 2021 के दो महीनों में एक भी मरीज नहीं मिला। आठ साल में मलेरिया से एक भी मौत भी नहीं हुई है।

जिले में आठ साल में इस तरह रही मलेरिया के मरीजों की स्थिति

साल	पीवी केस	पीएफ केस	कुल केस
2014	1531	1019	2540
2015	2824	942	3366
2016	1289	586	1875
2017	806	241	1047
2018	484	176	660
2019	211	58	269
2020	88	20	108

> मादा एनोफिलिस मच्छर की संख्या में कमी आई है। निकायों ने स्वच्छता अभियान और मलेरिया विभाग ने अपनी गतिविधियों को कोविड काल में भी चालू रखा जिससे मलेरिया पर अंकुश लगा है। लोगों ने सफाई को जिंदगी का हिस्सा बनाया। इससे मलेरिया के नए मरीज कम मिले हैं।
>
> -डॉ. प्रमोद प्रजापति, जिला मलेरिया अधिकारी रतलाम

2020 में जांच व नए मरीज की संख्या

सीएससी	जनसंख्या	कुल जांच	पॉजिटिव
बाजना	184199	2921	29
सैलाना	136085	23681	18
बिलपांक	303067	41927	5
पिपलौदा	166007	23324	24
बड़ियागोयल	282512	30684	7
खारवाकलां	246130	30940	9
रतलाम शहर	391706	31664	16
कुल	1709706	205141	108

स्वस्थ आदतों के साथ जीने लगे

स्वच्छता सबसे अहम

कोविड के बाद से लोगों के लिए स्वच्छता सबसे अहम है। घर के अंदर सफाई के साथ ही बाहर भी अभियान चलाए जाते हैं। लोग खुद सेहत के प्रति भी सजग हो गए हैं।

मास्क जिंदगी

अब मास्क लोगों की जिंदगी का हिस्सा हो गया है। जो संक्रमण के साथ ही अन्य बीमारियों से बचाता है।

हाथ धोना आदत में

सबसे जरूरी हाथ धोना लोगों की आदत में शामिल हो गया है। लोग घर में भी लगातार हाथों की सफाई को लेकर सतर्क हैं। सैनिटाइजर से भी असर पड़ा है।